तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार, 13 जुलाई 2025

12 बरसाती मौसम में चर्म रोगियों की संख्या में हुआ इजाफा

12 लोक अदालत न्याय प्रक्रिया को सरल त्वरित वजनसूलभ बनाती : एसडीजेएम

पर्यावरण है जीवन का आधार, इसको बचाना है हमारा अधिकार

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS, SONIPAT
Run by Mange Ram Educational and Charitable Trust (Regd.)
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
Direct Admission
• B.Tech / LEET (CSE, ECE, Mechanical, Civil)
• M.Tech (CSE, ECE) • M.Tech Part Time (ECE / CSE)
• Diploma / LEET (CSE, ECE, Electrical, Mechanical, Civil, MLT)
• BBA, BCA, MBA, MCA
• B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM (Hons.)
• B.A., B.Sc. (Medical/ Non-Medical), B.Com, M.Com, PGD (Yoga)
• M.Sc. (Physics, Chemistry, Maths)
• M.A. (English, Hindi, History, Pol. Science)
• B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
• D.Pharm, B.Pharm, B. Pharm / Leet
• B.Sc. (Nursing)
• CBSE Affiliated, Sr. Sec. Schools
www.southpoint.net.in
DILBAG S. KHATRI
Chairman
98120 20033

लोक अदालत में 34 हजार 937 मुकदमों का निपटारा

14 करोड़ 59 लाख 627 रुपये की राशि का हुआ निपटान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। अदालत में सुनाई करते हुए।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष वाणी गोपाल शर्मा के निर्देशन में शनिवार को सोनीपत, गोहाना, गन्नौर, व खरखौदा न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान आपसी सहमति से 34 हजार 937 मुकदमों का निपटारा करवाया गया, जिससे 14 करोड़ 59 लाख 627 रूपये की राशि का निपटान हुआ। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना क्लेम मामलों के 45 केसों का निपटारा किया गया, जिसमें वादियों का 01 करोड़ 66 लाख 68 हजार 119 रूपये की समझौता राशि का निपटारा किया गया। इसके अलावा 18 हजार 277 चालानों का निपटारा किया गया, जिससे 02 करोड़ 29 लाख 35 हजार 523 रुपये की राशि वसूली गई। इसके अलावा फौजदारी के 180 केसों का निपटान किया गया। इसके साथ ही 620 सिविल केस, 136 वैवाहिक विवाद संबंधी, 620 चेक बाउंस संबंधित केस का निपटान किया गया, जिससे 01 करोड़ 12 लाख 33 हजार 760 रूपये की राशि का निस्तारण किया गया। जिला एडीआर सेंटर में स्थाई लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न बैंकों के बैंक रिकवरी से संबंधित 100 केसों का निपटान किया गया। डीएलएसए सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायधीश नरेंद्र सिंह, प्रिंसिपल जज (फॅमिली कोर्ट) ललिता पटवर्धन, अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायधीश अशोक कुमार मान, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सोनीपत सुषमा, जैस्मीन प्रीत कौर व अर्शबीर कौर संधू, उपमंडल स्तर पर अविनाश यादव, एसडीजेएम गोहाना, मानसी गौर, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी गनौर, सूर्य करण चौधरी, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी खरखौदा की बेंचो के द्वारा केसों का निपटारा किया गया।

HAPPY CHILD COLLEGE OF NURSING
SONIPAT Health for All
Mehlana Road, Opp. Sector-23, Sonepat
(Managed by Balyan Education Society & Approved by HNRC & INC New Delhi)
(A pioneering institute in Nursing Education in Delhi-NCR) Affiliated by Pt. BD Sharma University of Health Science, Rohtak
Contact : 09215550127, 9466388128
Website : hcsnursing.org, Email : info@hcsnursing.org
ADMISSION OPEN (Session 2025-26)
B.Sc. (N)
(4 Years) Eligibility : 10+2 PCB
ANM
Arts & Commerce
(2 Years)Eligibility : 10+2 PASS
Boys & Girls
P.B. B.Sc. (N)
(2 Years) Eligibility : after GNM
GNM
Arts & Commerce
(3 Years) Eligibility : 10+2 WITH 40%
All the Courses are Job-oriented with Excellent Placement
Narender Balyan (Chairman)
Mob.: 9215550127

D C JAIN NURSING & SARITA JAIN COLLEGE GROUP OF INSTITUTIONS
12वी. आर्ट्स के विधार्थी भी यह कोर्स कर सकते है।
GNM (M/F) | ANM
DMLT | DOTT | DRT | BPT
BMLT | BOTT | BRT | MPT
Post Basic Nursing | B.SC Nursing
D. Pharmacy | D.EL.Ed | B.Ed
For more guidance 8529212507
आपका अपना जनता हस्पताल गुड़ मंडी, सोनीपत आपकी सेवा में उपलब्ध

खरखौदा में निपटाए 150 से अधिक मामले

खरखौदा। मामले की सुनवाई करते न्यायाधीश सूर्य करण चौधरी

खरखौदा। राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत खरखौदा न्यायालय में न्यायाधीश सूर्यकरण चौधरी की अध्यक्षता में लोक अदालत लगाई गई। जिसमें 150 से अधिक मामले सामने आए। ज्यादातर मामले ट्रैफिक रूल तोड़ने से संबंधित थे। ड्रिंक एंड ड्राईव मामले व ब्लुलेट से पटाखे छोड़ने वालो पर 10 से 20 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया गया। कई अध्यापकों का भी चालान कटा हुआ था। ऐसे अध्यापकों को कुछ देर तक खड़ा रहने की सजा दी गई और उन पर जुर्माना लगाया गया। जिन लोगों को चालान दस्तावेजों की कमी के कारण चालान कटा था, उन्हें लोक अदालत में दस्तावेज दिखा दिए तो उनके जुर्माने माफ करते हुए केस समाप्त कर दिए गए। इसके अलावा चेक बाउंस, सिविल व क्रीमिनल मामले भी लोक अदालत में सामने आए, जिन्हें निपटाया गया। इस मौके पर खरखौदा न्यायाधीश सूर्य करण चौधरी ने कहा कि लोक अदालतों में लोगों को तत्काल न्याय मिलता है। चालान बेशक एक दिन पहले ही क्यों ना हुआ हो, वे भी लोक अदालतों का फायदा ले सकते हैं।

बसस्टैंड के पीछे मिला 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव

खरखौदा। शनिवार को खरखौदा के बसस्टैंड के पीछे एक 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिला है। जिसकी पहचान बहादुरगढ़ के कानोंदा गांव निवासी मुख्तार सिंह के रूप में हुई है। घटना की सूचना पुलिस को दी गई । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत भिजवा दिया है, ताकि यह पता चल सके कि बुजुर्ग की मौत किन कारणों से हुई है। बताया जाता है कि बुजुर्ग को पहले भी दिन के समय यहां घूमता हुआ देखा गया था। दोपहर बाद जब बुजुर्ग को वहां पड़ा हुआ पाया, तो इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी।

मादक पदार्थ समेत तीन आरोपित काबू

सोनीपत। क्राईम यूनिट कुण्डली की पुलिस नें मादक पदार्थ तस्करी के मामले में नाहरा के राहुल को हैरोईन सहित व मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले दूसरे आरोपित जुआं के प्रदीप को भी गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास 10.75 ग्राम हैरोइन मिली है। दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया है।वहीं गढ़ी ब्राह्मणा के प्रवीन उर्फ पैनी को 18.88 ग्राम हेरोई समेत काबू किया है।

हत्या का पांचवां आरोपित प्रोडक्शन वारंट पर लिया

सोनीपत। पुलिस टीम ने बहालगढ़ स्थित वीर ढाबा पर यूवक की गोली मारकर हत्या करने व दूसरे युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में पांचवे आरोपित को प्रोडक्शन वांरट पर लिया है। आरोपित पानीपत के सिवाह राकेश उर्फ पम्पू है। आरोपित को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। 27 फरवरी को दीपक व मंदीप कार में आए युवकों फायरिंग कर दी, जिसमें दीपक की मौत हो गई, जबकि मंदीप घायल हो गया।

एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
कैंसर की पूरी, विश्वस्तरीय जांच और इलाज
कैंसर के इलाज के लिए अब दिल्ली क्यों जाना ?
एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल
अब
CGHS
और
CISF, CRPF, CAPF, SSB, BSF,
ITBP, NSG, Delhi Police
पैनलों में शामिल
अपॉइंटमेंट एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
9138111625
एंड्रोमेडा कैंसर अस्पताल
सुशांत सिटी, कुंडली, रसोई गाँव के पास, सोनीपत
www.andromedahospital.in
NABH मान्यता प्राप्त
Scan the code to open the Google Map

SARASWATI SR. SEC. SCHOOL
MURTHAL
G.T ROAD MURTHAL SONIPAT
35 YEARS EXCELLENCE
STREAM: MEDICAL, NON-MEDICAL, COMMERCE AND ARTS
A COMPLETE SCIENCE SCHOOL WITH EXCELLENT SCHOOLING
97% HARSHITA
96.4% PREETI SAINI
95.8% TRISHA
FOUNDER
LATE SH. ANAND LAKRA
YOUR DREAMS COME TRUE HERE
10TH RESULT AT A GLANCE MERIT 70 STUDENTS, 1ST DIVISION- 35 STUDENTS & RESULT 100%
BHUMIKA 94.8% | JANVI 94.4% | TANU 94.4% | SANJEET 92.8% | JIYA RANI 92.6% | MAHAK 92.4% | PARI 92% | VISHESH 91.4% | ANJALI 90.6% | MAYANK 90.4% | VANSHIKA 90.2% | PRACHI 89.6% | SAHIL 89.4% | NEHA 89% | KANSHI 88.8%
VANSHIKA 88.6% | SAMEER 86.8% | VANSH 86.6% | VANSH 86.4% | MANISH 85.2% | KARTIK 84.8% | TUSHIR 84% | SAGAR 83.8% | HARSH 83.4% | BHUMIKA 83.2% | SUNAKSHI 83% | PARBHA 82.2% | NITISH 81.4% | DEV 81% | VIJAY 80.4%
12TH RESULT AT A GLANCE MERIT 84 STUDENTS, 1ST DIVISION- 32 STUDENTS & RESULT 100%
95.2% ANUSHKA | 95.2% DIYA | 94% GARIMA | 92.2% JHALAK
PAYAL 91.6% | KARTIK 91.2% | SANIYA 90.8%
ISHA 90.2% | SUNAINA 89.4% | JAHNAVI 89.2%
RISHIKA 88.6% | NEHA 88.6% | NEHA 88% | KHUSHI 88% | ANSH 88% | SANIYA 86.8% | ANSHU 86.8% | CHHAVI 86.4% | SANJAY 86.4% | PAYAL 86% | MANISH 86% | LAKSHAY 85.2% | NAVDEEP 84.6% | SIMRAN 84.2% | KUNAL 84%
SHIVAM 83.8% | KHUSHBU 83.6% | NISHU 82% | PUSHKAR 80.2% | SHUBHAM 80%
THE SCHOOL IS GIVING SCHOLARSHIP TO MERITORIOUS STUDENTS IN TUITION FEE BASED ON THEIR 10TH PERCENTAGE.
ONLY SCHOOL IN HARYANA THAT GOT MAXIMUM NUMBER OF SCHOLARSHIP
SCHOOL INVITES MERITORIOUS STUDENTS FOR ADMISSION
ADMISSION OPEN 2025-26
saraswatimurthal2015@gmail.com
9813517031, 9671810302, 9671463052

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रैच्युटी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रैच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोट: यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%

- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज़ वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं

- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ

- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

खबर संक्षेप

विशेष सेमिनार का आयोजन किया

सोनीपत। द गोल्डन एरा पब्लिक स्कूल में एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सोनीपत के जाने माने चाइल्ड स्पेसलिस्ट एमबीबीएस , एमडी पीडीएट्रीक्स डा. अतुल गिरधर ने शिरकत की। इस सेमिनार में उन्होंने बच्चों के सर्वांगीड विकास व निम्न शैक्षणिक प्रदर्शन को लेकर अनुभव सांझा किए। बताया कि जिन बच्चों का शैक्षणिक स्तर काफी कम है उन्हें किस तरह से ऊपर उठाया जाए ताकि जीवन में विकास कर सकें।

पैडी स्ट्रॉ सप्लाई चेन स्थापित करने के लिए आवेदन 15 तक

सोनीपत। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत उद्योगों के लिए पैडी स्ट्रॉ सप्लाई चेन को स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला उपायुक्त उन्होंने बताया कि इच्छुक किसान 15 जुलाई तक विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि सप्लाई चेन की स्थापना करने का मुख्य उद्देश्य एक्स-सीटू फसल अवशेषों का प्रबंधन करना है।

यूरिया की व्यवस्था करे वरना होगा आन्दोलन

सोनीपत। सीपीआईएम(माकपा) के जिला सचिव आनंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के लिए डीएपी और यूरिया खाद की व्यवस्था करें, वरना सड़कों पर आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार किसानों की आय दुगनी करने की बात कर रही है। अब जीरी लगाने का काम जोरों पर चल रहा है लेकिन सरकारी दुकानों पर डीएपी व यूरिया खाद नदारद है। बाजार में अगर खाद है तो खाद के साथ अनेकों किस्म की दवाईयां जबरदस्ती खाद के साथ किसानों को दी जाती हैं।

दिव्यांग बच्चों को दिखाई सितारे जमीन पर फिल्म

सोनीपत। कांग्रेस नेता कमल दिवान की समाजसेवी पत्नी मेघा दिवान और एनआइटी जालंधर में आटिज़्म पर पीएचडी कर रहीं शोधार्थी कनिका सिंघल के संयुक्त प्रयास से विशेष आवश्यकताओं वाले व वंचित बच्चों के लिए फिल्म सितारे ज़मीन पर की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई। इसमें बच्चों को फिल्म दिखाई। फिल्म के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था।

जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए चलाया अभियान

बाहर सामान रख अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

यातायात को सुचारू रूप से चलाने को लेकर चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

दुकानदारों व अवैध पार्किंग मे खड़े वाहनो के मालिको में हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। अतिक्रमण को हटवाते हुए पुलिस कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

यातायात पुलिस सोनीपत द्वारा ट्रैफिक को सुचारु रुप से चलाने, आमजन को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए आज मामा भांजा चौक, देवीलाल चौंक व बस अड्डा सोनीपत में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, अभियान के तहत जनता व दुकानदारों को जागरुक करके अवैध अतिक्रमण ना करने बारे अपील की। उपायुक्त यातायात एवं क्राइम नरेन्द्र कादयान के निर्देशानुसार ट्रैफिक पुलिस सोनीपत ने सोनीपत शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने तथा जाम से निजात दिलाने के लिए शहर में दुकानों के बाहर अवैध तरीके से रखे सामान तथा सड़क पर रेहड़ी व अवैध पार्किंग आदि के अतिक्रमण को हटवाने के लिए विशेष अभियान चलाया। यह अभियान मामा भांजा चौक, देवीलाल चौंक व बस अड्डा सोनीपत के आस-पास के क्षेत्र में चलाया गया। पुलिस बल की इस कार्रवाई को देखते हुए दुकानदारों व रेहड़ी-फड़ी लगाने वालों व अवैध पार्किंग मे खड़े वाहनो के मालिको में हड़कंप मच गया। सभी ने निर्धारित सीमा से बाहर किए अतिक्रमण को समेटना शुरू कर दिया। दुकानों के बाहर अवैध रूप से रखे सामान को हटवाया गया तथा सड़क के पास लगी रेहड़ियों को हटवाया गया। साथ ही दोबारा अतिक्रमण ना करने की दुकानदारो से व जनता से अवैध पार्किंग मे वाहन खड़ा ना करने की अपील की गई। दौबारा बाहर सामान रखकर अतिक्रमण करने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी गई। पुलिस द्वारा सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। शहर में मामा भांजा चौक, देवीलाल चौंक व बस अड्डा सोनीपत समेत ज्यादातर मुख्य मार्गों पर दुकानदारों ने दुकानों के बाहर सामान रखा हुआ है। काफी दुकानदार अपनी दुकान के आगे सड़क पर रेहड़ी भी लगवाते हैं, जिसकी एवज में रेहड़ी वालों से किराया भी वसूला जाता है। लेकिन आज चलाए गए अभियान में मामा भांजा चौक, देवीलाल चौंक व बस अड्डा सोनीपत के पास रेहड़ी लगाने वाले तथा दुकानदार पुलिस के निशाने पर रहे। सबसे ज्यादा अतिक्रमण दुकानों के आगे सड़क पर रखे सामान से हो रहा है। अतिक्रमण के बाद सड़क पर आने जाने का रास्ता कम हो जाता है, जाम की स्थिति बन जाती है तथा वाहन केवल मार्ग को बाधित ही नहीं करते हैं बल्कि दूसरे वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण भी बन जाते हैं।

जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाएंगे: प्रवीन

- प्रवीन कश्यप भाजपा जिला गोहाना के उपाध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। प्रवीन कश्यप को सम्मानित करते उसके शुभचिंतक एवं पार्टी कार्यकर्ता।

भाजपा नेता प्रवीन कश्यप को भाजपा जिला गोहाना के उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है। शनिवार को उनके शुभचिंतकों ने फूल-मालाओं से उनको सम्मानित किया। नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष प्रवीन कश्यप ने कहा कि वे पार्टी द्वारा सौंपी गई इस जिम्मेवारी को वे ईमानदारी से निभाएंगे और पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने का काम करेंगे। प्रवीन कश्यप पहले भाजपा की जिला और प्रदेश कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी कुशल कार्यशैली को देखते हुए भाजपा द्वारा अब उनको जिला गोहाना कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया है। इसके लिए प्रवीन ने राष्ट्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा, जिला प्रभारी डॉ. किरण कलकल, जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना और परमवीर सैनी का आभार जताया। इस अवसर पर संजय मेहंदीरता, संदीप जांगड़ा, मुकेश रोहिल्ला, राजू पटवा, सुमित कक्कड़, राजू भंडेरी, नाजी मेहता, प्रदीप वधवा और संजय अरोड़ा उपस्थित रहे।

गोहाना। सादा जीवन जीने का संदेश देते योग साधक। *फोटो :हरिभूमि*

राष्ट्रीय सादगी दिवस पर कार्यक्रम

गोहाना। सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में योग साधको ने शनिवार को राष्ट्रीय सादगी दिवस मनाया। समारोह में योग साधकों ने लोगों को सादगी एवं संस्कृति के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता योग शिक्षक आजाद सिंह ढांगी ने कहा सादा जीवन जीना एक खुशहाल जीवन जीने का मूल तत्व है। सादगी ही जिंदगी का वास्तविक सौंदर्य है। सादगी ही सच्चा जीवन है जबकि दिखावा और बनावटीपन मृत्यु के समान है। जीवन की असली खुशी सादा जीवन जीने में है। सादा जीवन जीने के लिए ज्यादा पैसे की जरूरत नहीं होती। इसलिए सबसे पहले आपको पैसे के लालच पर लगाम लगानी होगी। एक बार जब आप पैसे के पीछे भागना बंद कर देते हैं तो जीवन के दूसरे तनाव अपने आप कम हो जाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता योग साधक सुरेश पवार ने की। उन्होंने कहा राष्ट्रीय सादगी दिवस आधुनिक जीवन में अत्यंत भव्य और दूरदर्शी महत्व रखता है। लोग एक सुखी जीवन जीने के लिए तरस रहे हैं। इस मौके पर ओमप्रकाश सांगवान, हवासिंह शहरावत, रणधीर राठी, विकास, सुरेश, संतोष शर्मा सुनीता मलिक वीरमति, सरवर पांचाल, कमला देवी व निर्मला देवी मौजूद रहे।

बाबा सुमर नाथ अनुसंधान एवं वेलनेस सेंटर का शिलान्यास

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने शनिवार को मोहाना स्थित बाबा गैना नाथ डेरे में बनाए जा रहे बाबा सुमर नाथ अनुसंधान एवं वेलनेस सेंटर का बतौर मुख्यातिथि शिलान्यास किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि शिवा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्वास्थ्य सिद्धि के रूप में शुरू की गई पहल स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे इस क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह केन्द्र समाज कल्याण, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेदिक शोध के क्षेत्र में कार्य करेगा, जिससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी पुरानी पंरपरा व संस्कृति दोबारा जीवित होगी। उन्होंने कहा कि पुराने समय में भारत में प्राकृतिक व आयुवेर्दिक चिकित्सा से ही लोगों का ईलाज किया जाता था जो हमारे देश में एक पहचान थी।

सोनीपत। गाड़ी को हरीझड़ी दिखाकर रवाना करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

रोड स्वीपिंग मशीन को मेयर ने दिखाई झंडी

सोनीपत। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने झंडी दिखाकर रोड स्वीपिंग मशीन की शुरुआत की, यह मशीन केंद्र के प्रदूषण विभाग के तहत काम कर रहे वायु गुणवत्ता प्रबंधन कमीशन द्वारा (सीएक्यूएम) द्वारा उपलब्ध करवाई है जिस पर 70 लाख रुपए की लागत आई है। राजीव जैन ने बताया कि इससे पहले कमिशन ने 16 लाख रुपए की लागत से धूल मिट्टी को दबाने हेतु पानी छिड़काव के लिए दो ट्रैक्टर टैंकर उपलब्ध करवाये हैं। कमीशन द्वारा विशेषकर सर्दियों के मौसम में वायु की गुणवत्ता में सुधार रहे इसके लिए एंटी स्मोक गन उपलब्ध करवाई जाएगी। पहले भी सड़क सफाई के लिए दो मशीन चलाई जा रही है जो मुख्य सड़कों के किनारो से धूल मिट्टी साफ करती हैं। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है इसके लिए जन सहयोग अति आवश्यक है। राजीव जैन ने जानकी दास स्कूल से प्रेम नगर टिल्ला तथा कालूपुर गांव में स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत अभियान के तहत सघन सफाई अभियान चलाया और कहा कि हर नागरिक को सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ का नारा ध्यान में रखना चाहिए। सफाई अभियान में पार्षद सुरेंद्र मदान व मोनिका नागर, एडवोकेट नक्तीन मेहरा, जोगेंद्र, वेद कालूपर शैलेंद्र आदि मौजूद रहे।

वार्ड नंबर 22 में 25 लाख रुपये की लागत से बनेंगी दो गलियां: विरमानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गली निर्माणकार्य का शुभारंभ करते चेयरपर्सन रजनी विरमानी व नगर पार्षद बबली।

नगर परिषद द्वारा वार्ड 22 में एफसीआई गोदाम के पीछे दो गलियों का निर्माण करवाया जाएगा। गलियों के निर्माण पर 25 लाख रुपये खर्च होंगे। शनिवार को नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने नारियल फोड़कर गली निर्माण का शुभारंभ किया। इन गलियों का निर्माण होने के बाद क्षेत्रवासियों को आने-जाने में सुविधा होगी। गलियां पक्की न होने से बरसात के मौसम में राहगीरों को आने-जाने में परेशानी होती थी। बारिश के दौरान गलियों में कीचड़ जमा हो जाता था। नागरिक परेशान न हों इसके लिए नगर परिषद द्वारा इन गलियों को इंटरलॉक टाइलों से पक्का किया जाएगा। गलियों के निर्माणकार्य के शुभारंभ की अध्यक्षता वार्ड नगर पार्षद बबली ने की। चेयरपर्सन ने कहा कि नगर परिषद विकास लोगों को बेहतर सडक़ें, पक्की गलियों व स्वच्छता सुविधाएं देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी शहर को स्वच्छ बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर अंकुश, राममेहर, रमेश, रायचंद, करम सिंह, सुरेश, रामपाल, अनीता और रेखा उपस्थित रहे।

गोहाना। अधिकारियों के साथ पौधरोपण करते उप कृषि निदेशक डॉ. पवन।

पौधरोपण करने का किया आह्वान

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी और कर्मचारी किसानों से उनके ट्यूबवेलों के पास पौधे लगवाएंगे। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करवाया जाएगा। यह बात उप कृषि निदेशक डॉ. पवन शर्मा ने कही। वे विभाग के गोहाना स्थित कार्यालय में अभियान के तहत बतौर मुख्य अतिथि पौधारोपण अभियान का शुभारंभ कर रहे थे। कार्यालय परिसर में 12 पौधे लगाए गए। उप कृषि निदेशक डॉ. पवन शर्मा ने विभाग के अधिकारी व कर्मचारी सभी किसानों से अपने-अपने खेतों में कम से कम एक पौधा जरूर लगवाएं। किसानों को ट्यूबवेलों के पास पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। इससे किसानों को छाया के साथ फल भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में सभी भी भागेदारी सुनिश्चित होने से ही अच्छे परिणाम मिलेंगे। पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल भी जरूरी है। अगर कोई पौधा सूख जाए तो उनकी जगह नया पौधा लगाया जाए।

साउथ पॉइंट की मुस्कान राज्य स्तर पर दिखाएंगी खेल प्रतिभा

- ओपन टूर्नामेंट की बैडमिंटन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन के दम पर लिए चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

साउथ पॉइंट स्कूल की 11वीं कक्षा की खिलाड़ी मुस्कान ने हरियाणा महाकुंभ ओपन टूर्नामेंट की बैडमिंटन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया है। मुस्कान की बेहतर खेल प्रतिभा को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उसका चयन राज्य स्तर के लिए किया है। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने मुस्कान को चयन की बधाई दी और आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि हरियाणा महाकुंभ ओपन टूर्नामेंट में जिले की टीम का चयन करने के लिए ट्रायल लिए गए थे। 04 जुलाई को लिटल एंजल्स स्कूल में आयोजित ट्रायल में विभिन्न स्कूलों से खिलाड़ियों ने भाग लिया। साउथ पॉइंट स्कूल से मुस्कान ने बैडमिंटन स्पर्धा में अपने खेल से सबका ध्यान आकर्षित किया। चयनकर्ताओं ने राज्य स्तर के लिए टीम में मुस्कान का चयन किया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावना कालरा व कार्यकारी निदेशक डा. ममता सचदेवा ने मुस्कान को दूसरी छात्राओ के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ ही खेलों में भी अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं।

डॉ. राममेहर राठी भाजपा जिला मीडिया प्रमुख नियुक्त किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

क्षेत्र के गांव धनाना निवासी डॉ राममेहर राठी को भाजपा जिला गोहाना का मीडिया प्रमुख नियुक्त किया गया है। पार्टी द्वारा हाल ही में घोषित जिला गोहाना की कार्यकारिणी में उनकी नियुक्ति जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक द्वारा की गई। नवनियुक्त मीडिया प्रमुख डॉ. राममेहर राठी ने अपनी नियुक्ति को लेकर केन्द्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा, कबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, गोहाना के जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, जिला प्रभारी डॉ. किरण कलकल, बरोदा हलका से पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान व पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी इस जिम्मेदारी को ईमानदारी एवं निष्ठा से निभाने का आश्वासन दिया। राममेहर इससे पहले भाजपा जिला सोनीपत के मीडिया सह प्रभारी थे।

150 फल व फूलदार पौधे लगाए

- अपोलो इंटरनेशनल स्कूल बड़ी में रोटरी क्लब आफ गन्नौर रॉयल ने पौधरोपण अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। पदाधिकारी अभियान के दौरान पौधा रोपण करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

रोटरी क्लब आफ गन्नौर रॉयल द्वारा शनिवार को जीटी रोड स्थित अपोलो इंटरनेशनल स्कूल बड़ी पर पौधारोपण का अभियान एक पेड़ मां के नाम सार्थक किया गया। क्लब द्वारा त्रिवेणी लगाकर अभियान की शुरुआत की और करीब करीब 150 फल व फूलदार पेड़ लगाए गए । क्लब के प्रधान प्रवीण मित्तल ने बताया बरसात के मौसम में शहर में भिन्न-भिन्न स्थानों पर इसी प्रकार पौधारोपण किया जाएगा क्योंकि पेड़ों का हमारे जीवन में बड़ा ही महत्व है। क्लब की महिला मेंबर निधि गुप्ता जी अपने जन्म दिवस पर पेड़ लगाकर शुभारंभ किया। क्लब के सचिव नितिन बंसल ने बताया की क्लब द्वारा शहर मेंसमय-समय पर सामाजिक कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रोजेक्ट चेयरमैन मुकुल बंसल, अंकित गोयल, गौरव जैन, सचिन वाधवा, नितिन जैन, नंदकिशोर त्यागी, पवन कुमार, अनुज बंसल, अजय त्यागी आदि सदस्यों ने सहयोग किया । स्कूल स्टाफ द्वारा भी इसमें सहयोग किया गया।

समस्या सभी छात्रों की जिम्मेदारी एक अकेली टीचर पर होने से बढ़ रही परेशानी

राजकीय स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी बड़ी समस्या, गांव छोटीगढ़ी प्राइमरी स्कूल बदहाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। अलग-अलग कक्षा के बच्चों को एक साथ पढ़ाती शिक्षिका विद्यावती।

गन्नौर खंड के गांव छोटी गढ़ी का राजकीय प्राइमरी स्कूल शिक्षकों की भारी कमी के चलते स्कूल सिर्फ नाम का ही रह गया है। विद्यालय में कुल आठ छात्र हैं और सभी अलग-अलग कक्षाओं के हैं। इन सभी छात्रों की जिम्मेदारी अकेली टीचर विद्यावती पर है। विद्यावती ने बताया कि वह स्कूल में इंचार्ज के साथ-साथ पढ़ाई, मिड-डे मील, रिकार्ड मेंटेन करने जैसे सभी काम संभाल रही हैं। स्कूल में पर्याप्त स्टाफ न होने के कारण पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे तो स्कूल को बंद करने की नौबत आ सकती है। कई बार विभाग को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो राजकीय स्कूलों से छात्रों का भरोसा उठ जाएगा और वे मजबूरी में निजी स्कूलों का रुख करने को विवश होंगे।

स्टाफ पूरा करने का प्रयास

जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने कहा कि विभाग प्रयास कर रहा है कि सभी स्कूलों में स्टाफ की कमी को दूर किया जाए ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो।

एक ही कक्षा में बैठते हैं बच्चे

अकेली शिक्षक होने के कारण सभी कक्षाओं के छात्रों को एक ही कमरे में बैठाकर पढ़ाना पड़ता है। यदि वह किसी कारणवश अवकाश पर होती हैं तो दूसरे स्कूल से शिक्षक बुलाया जाता है, लेकिन ऐसे में पढ़ाई की निरंतरता टूट जाती है।

सेना के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन 21 को

सोनीपत। मानव अधिकार संरक्षण संघ द्वारा देशभक्ति की भावना को समर्पित एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन 21 जुलाई को जिला बार एसोसिएशन परिसर, सोनीपत में किया जाएगा। यह शिविर विशेष रूप से भारतीय सेना के जवानों की चिकित्सा सहायता हेतु रक्त एकत्रित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयवीर गहलावत ने जानकारी देते बताया कि यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों से जुड़े लोग, युवा, वकीलगण एवं सामाजिक कार्यकर्ता बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे। शिविर में योग्य चिकित्सकों की टीम द्वारा रक्तदाताओं की जांच कर सुरक्षित रूप से रक्त संग्रह किया जाएगा। संघ के रक्त प्रकोष्ट प्रभारी रविंद्र शर्मा ने बताया कि यह शिविर भारतीय सेना को समर्पित है, जो दिन-रात देश की रक्षा में तत्पर रहते हैं।

खरखौदा। खिलाड़ियों को सम्मानित करते स्कूल प्रबंधन। *फोटो :हरिभूमि*

प्रताप स्कूल बना चैंपियन

खरखौदा। लोहारू, भिवानी में आयोजित हरियाणा ओपन थ्रोबॉल टूर्नामेंट में प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ-साथ 15,000 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रताप स्कूल की विजेता टीम में हर्ष, आर्य, कुशल, साहिल, गौरव, सिद्धार्थ, विष्णु, रिंकू, नमन, भगत सिंह और पुण्य जैसे प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल थे, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट तालमेल और खेल भावना का प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रांगण में विजेता टीम का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवार्डी ओमप्रकाश दहिया, प्राचार्या दया दहिया, अकादमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, तथा थ्रोबॉल कोच रिंकू ने खिलाड़ियों को बधाई दी। ओमप्रकाश दहिया ने कहा कि विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को निखारने हेतु साई के खेलो इंडिया सेंटर और हरियाणा खेल विभाग द्वारा खेल नर्सरियाँ संचालित की जा रही हैं। कोच रिंकू ने बताया कि खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में अनुशासन, तकनीक और मेहनत के बल पर यह सफलता हासिल की है। विजेता खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, माता-पिता और प्रताप स्कूल प्रबंधन समिति को दिया।

खबर संक्षेप

शहीद उद्यम सिंह की याद में लगाया रक्तदान शिविर

सोनीपत। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अगवानपुर में शदीद उद्यम सिंह की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। सर्व धर्म सेवा संघ, भारत विकास परिषद वीर सावरकर शाखा गनौर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी सोनीपत के संयुक्त तत्वाधान से है शिविर लगाया जाएगा। जिला नागरिक अस्पताल सोनीपत की टीम आएगी। ग्राम पंचायत अगवानपुर का विशेष सहयोग रहेगा।

अवैध हथियार के मामले में दूसरा आरोपी काबू

सोनीपत। क्राइम युनिट की पुलिस टीम नें अवैध हथियार मामले में दूसरे आरोपित गंगाना के रोहित उर्फ गंजु को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास एक देशी पिस्टल 30 बोर व एक रौंद 30 बौर बरामद हुआ था। इस मामले में एक आरोपित सुमित को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेजा गया।

बैग चोरी करने का आरोपी लिया प्रोडक्शन वांरट पर

सोनीपत। क्राइम युनिट सेक्टर-27 सोनीपत की पुलिस ने शादी समारोह में रुपयों का बैग चोरी करने के आरोपित को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। आरोपित बिहार के समस्तीपुर का रवि है जो फिलहाल कोट मोहल्ला में रहता है। आरोपित से चोरी के 2.5 लाख रुपये भी बरामद किए है। आरोपित को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेजा गया है।

खेतों से मोटर पंप व बिजली की तार चोरी

खरखौदा। मटिंडू गांव के खेतों से ट्यूबवेल पर लगी मोटर पंप व बिजली की तार चोरी हो गई है। किसान खेत में पहुंचा तो उसने देखा कि पंप व तार गायब हैं। किसान सुधीर का कहना है कि उसने खेतों में सिंचाई करने के लिए अपने ट्यूबवेल पर 3 हॉर्स पावर की मोटर पंप व बिजली की तार लगाई हुई थी। सुबह के समय वह खेत में पहुंचा तो न केवल पंप चोरी था, बल्कि बिजली की तार भी चोरी हो चुके थे। शिकायत पर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया है।

नागरिक अस्पताल में ओपीडी जा रही 300 के पार

बरसाती मौसम में चर्म रोगियों की संख्या में हुआ इजाफा

एक महीने में 30 प्रतिशत वृद्धि, लंबी कतारों में लग रहे मरीज

नमी और फंगल संक्रमण इन रोगों की प्रमुख वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में बारिश के मौसम ने जहां एक ओर वातावरण को ठंडक और सुकून दिया है, वहीं दूसरी ओर चर्म रोगों के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखने को मिल रही है। जिला नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन 300 से अधिक चर्म रोग से पीड़ित मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। मरीजों को लाइन में लगकर उपचार करवाना पड़ रहा है।

बता दें कि नागरिक अस्पताल में हर रोज दो हजार से ज्यादा की ओपीडी मरीजों की दर्ज की जा रही है। कई दिनों से हो रही बारिश में चर्म रोग के मरीजों का काफी इंजाफा हुआ है। अस्पताल में पहले यह संख्या प्रतिदिन 200 से 250 तक सीमित थी, लेकिन पिछले एक महीने में इसमें लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मौजूदा समय में अस्पताल में तीन सौ से ज्यादा की ओपीडी चर्म रोग की दर्ज की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस मौसम में दाद, खुजली, फंगल इंफेक्शन, त्वचा पर एलर्जी, चकते, फोड़े-फुंसी, फफोले व घाव जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। नमी व फंगल संक्रमण इन रोगों की प्रमुख वजह है। बारिश के दौरान लोग जब गीले कपड़ों में देर तक रहते हैं या गंदे पानी से होकर गुजरते हैं, तो त्वचा पर संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। यह संक्रमण कई बार गंभीर रूप भी ले सकता है और बुखार तक हो सकता है।

सोनीपत। रजिस्ट्रेशन काउंटर व ओपीडी के बाहर जमा मरीजों की भीड़। फोटो : हरिभूमि

चिकित्सकों की सलाह

- *सावधानी और स्वच्छता: भीगने के तुरंत बाद गीले कपड़े हटा लें और साफ तौलिए से शरीर को अच्छी तरह पोंछें।*
- *बाजार की तली-भुनी चीजों से परहेज: बाजार की तली-भुनी व तेलयुक्त चीजों से परहेज करना चाहिए।*
- *समय पर इलाज: यदि किसी व्यक्ति को त्वचा से संबंधित समस्या अधिक समय तक बनी रहती है, तो घरेलू उपचार के बजाय तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से संपर्क करें।*

सोनीपत। मरीज की जांच करते चिकित्सक।

चर्म रोगों के कारण

नमी और फंगल संक्रमण: बारिश के मौसम में नमी और फंगल संक्रमण चर्म रोगों की प्रमुख वजह है।

गीले कपड़े और गंदा पानी गीले कपड़ों में देर तक रहना और गंदे पानी से होकर गुजरना त्वचा पर संक्रमण की संभावना बढ़ा सकता है।

स्वच्छता और समय पर इलाज बेहतर उपाय

बारिश का मौसम और चर्म रोग बारिश का मौसम हर बार मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में सावधानी, स्वच्छता और समय पर इलाज ही चर्म रोगों से बचाव का सबसे बेहतर उपाय है।

-डा. राघवेंद्र सिंह, चर्म रोग विशेषज्ञ नागरिक अस्पताल।

विधायक ने 10 करोड़ की लागत से आईटीआई भवन की रखी आधारशिला

राई। विधायक कृष्णा गहलावत खेवड़ा में 10 करोड़ की लागत से नए आईटीआई भवन की आधारशिला रखते हुए ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई हल्का की विधायक कृष्णा गहलावत ने शनिवार को गांव खेवड़ा में 10 करोड़ की लागत से नए आईटीआई भवन और 5 करोड़ की लागत से नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखी और गांव की सबसे बुजुर्ग व्यक्ति सिंह से नारियल तुड़वाकर कार्य का शुभारंभ करवाया। उन्होंने गांव के में खेल स्टेडियम 15 लख रुपए की लागत से टीन शेड के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर नागरिकों द्वारा विधायक का फूल माला से स्वागत किया गया। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि भारत देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंत्योदय उत्थान और गरीब कल्याण के लिए अपने 11 साल के कार्यकाल में अनेक योजनाएं बनाकर उन्हें लागू किया, जिनका देश की जनता को लाभ मिल रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के एसडीओ मेहरा, मंडल अध्यक्ष शेखर अंतिल, वेदपाल शास्त्री, अमित पहलवान अनिल अंतिल, नंदकिशोर चौहान, कुलदीप नांगल पूर्व चेयरमैन, सत्यनारायण अंतिल, अरुण चौहान, नन्द किशोर चौहान व सभी सरपच, सरपच, ब्लाक समिति, पंचायत मेम्बर एवं सभी ग्रामवासी सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी में सीएम नायब सैनी के संभावित दौरे को लेकर सुरक्षा तैयारियां शुरू

गन्नौर। अंतरराष्ट्रीय बागवानी मंडी में 14 जुलाई को मुख्यमंत्री नायब सैनी के संभावित दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को डीसीपी प्रबीना पी ने मंडी का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की।

स्व. सुनीता आंतिल के संस्कार और आदर्श आज भी उनके परिवार के साथ : गहलावत

- हनी मॉडर्न स्कूल में स्कूल की पूर्व निदेशक स्वर्गीय सुनीता आंतिल की प्रथम बरसी पर हवन यज्ञ हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

बहालगढ़ स्थित हनी मॉडर्न स्कूल में शनिवार को स्कूल की पूर्व निदेशक स्वर्गीय सुनीता आंतिल की प्रथम बरसी पर हवन यज्ञ का कार्यक्रम किया गया । बरसी पर आयोजित हवन यज्ञ में हाल में स्कूल के निदेशक मास्टर सतनारायण आंतिल व राई हलका विधायक कृष्णा गहलावत के अलावा गणमान्य लोगों ने आहुति डाली और भावुक माहौल में उनकी स्मृतियों को नमन किया गया। स्वर्गीय सुनीता आंतिल के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए सभी की आंखें नम हो गईं। उन्हें एक सरल, विनम्र और प्रेरणादायक व्यक्तित्व की धनी बताया। विधायक कृष्णा गहलावत ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय सुनीता आंतिल का साया भले ही परिवार के सिर से उठ गया हो, लेकिन उनके संस्कार, उनकी शिक्षा और उनके आदर्श आज भी परिवार के साथ हैं। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, पूर्व जिला अध्यक्ष जसवीर, भगवान जोगी , पूर्व अध्यक्ष कुलदीप नांगल, जेपी रेवली, अनिल आंतिल, सुरेश फौजी, गढ़ी बाला, गुलशन दहिया, पवन यादव दीपालपुर, वेदपाल शास्त्री नाहरी मंडल अध्यक्ष, इंदर चौहान कुंडली मंडल अध्यक्ष, भैरा बांकीपुर सरपंच जयराम शर्मा , चेयरमैन शिमला देवी के अलावा गणमान्य लोगों ने शिरकत कर श्रद्धांजलि दी ।

राई। हवन यज्ञ में विधायक कृष्णा गहलावत के मास्टर सतनारायण आंतिल के परिवार के सदस्य हवन यज्ञ में ।

अल्ट्रासाउंड सेवा के लिए करना होगा इंतजार

नागरिक अस्पताल में चार साल से बंद पड़ी मशीन, इंजीनियर ने बताया दस लाख रुपये तक खर्च

- प्रबंधन की तरफ से मशीन को ठीक करवाने का किया जा रहा प्रयास, करीब चार साल से बंद पड़ी है सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल में करीब चार साल से बंद पड़ी अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू होने में अभी इंतजार करना पड़ सकता है। मशीन को चलाने के लिए उसमें इंजीनियर की तरफ से दस लाख रुपये खर्च तक बताया है। प्रबंधन की तरफ से इस संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुकी है। उम्मीद है कि जल्द से जल्द मशीन ठीक होने के बाद आमजन के लिए सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्रबंधन की तरफ से कमरा नंबर-51 में सेवाएं जल्द शुरू करने की बात कही जा रही है। बता दें कि सितंबर 2021 में अस्पताल की रेडियोलाजिस्ट डा. रीटा गोयल का तबादला रोहतक हो गया था। जिसके बाद से नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड सेवा ठप थी। नागरिक अस्पताल में डा. धर्मेंद्र यादव ने रेडियोलाजिस्ट के रूप में नियुक्त किया है। उनकी देखरेख में मशीन को चालू करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अल्ट्रासाउंड मशीन को डी-सील कर जांच कराई गई थी। मशीन लंबे समय से बंद होने के चलते उसमें तकनीकि दिक्कत है।

जल्द शुरू होगी सुविधा : डा. संदीप

काफी दिनों से मशीन सील थी। उसे खोलने के बाद कुछ तकनीकी खराबी सामने आई है। कंपनी के इंजीनियर ने इस संबंध में कुछ खर्च बताया है। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। जल्द से जल्द मशीन को ठीक करवाकर लोगों को सुविधा देने का काम किया जायेगा।

-डा. संदीप लठवाल, मीडिया नोडल अधिकारी।

इंजीनियर को जांच के लिए बुलाया

इसकी जांच के लिए इंजीनियर को बुलाया गया है। इंजीनियर द्वारा मशीन में कई कमियां बताई गई हैं, अधिकारियों का कहना है कि कमियों को दूर कर जल्द ही मशीन को दुरुस्त किया जाएगा। अल्ट्रासाउंड सेवा दोबारा शुरू होने से गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को निजी केंद्रों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। मौजूदा समय में रोजाना 70 से 80 मरीजों को अस्पताल में अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी जाती है। वहीं अब दंत ओपीडी को कक्ष 14 में स्थानांतरित कर दिया गया है और कक्ष 51 में अल्ट्रासाउंड केंद्र को चालू करने की प्रक्रिया शुरू की है।

45 लाख रुपये से बनेंगे तीन रास्ते विधायक कादियान ने किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

विधायक देवेंद्र कादियान ने शनिवार को खेड़ी तगा गांव में तीन नए रास्तों का उद्घाटन किया। नारियल फोड़कर इन रास्तों को जनता को समर्पित किया गया। इनका निर्माण करीब 45 लाख रुपए की लागत से हुआ है। पहला रास्ता दातौली रोड से बैरागी वाले रास्ते तक बना है। इसकी लागत 13.50 लाख रुपए आई। दूसरा रास्ता सनपेड़ा रोड पर पूर्व सरपंच राकेश के खेत से लेकर अशोक त्यागी के खेत तक बना है। इस पर 13.25 लाख रुपए खर्च हुए। तीसरा रास्ता बेगा वाली सड़क पर सीताराम के खेत से नाथूराम त्यागी के खेत तक बना है। इसकी लागत 18 लाख रुपए रही। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूलमालाओं से विधायक कादियान का स्वागत किया। लोगों ने रास्तों के निर्माण के लिए आभार जताया। विधायक ने कहा कि हलके में विकास की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किए जा रहे हैं। जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। जनसमस्याओं के समाधान में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। इस मौके पर बीडीपीओ राजेश टिवाना, पंचायती राज एसडीओ विपुल छौक्कर, सेक्रेटरी सुशील आंतिल, ब्लॉक समिति चेयरमैन अनिल कुमार, वाइस चेयरमैन अरुण शर्मा, सरपंच मोनू, अजय, हैप्पी त्यागी, अंकुश त्यागी, बिल्लू त्यागी और सुरेंद्र मौजूद रहे।

- जनहित के लिए किए जा रहे कार्य प्राथमिकता: विधायक देवेंद्र कादियान

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने खेड़ी तगा गांव में तीन नए रास्तों का उद्घाटन करते हुए ।

सोनीपत। प्रदर्शन करते हुए कर्मचारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सड़क मार्ग के टूटने पर पार्षद के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन

सोनीपत। टूटे हुए रोड वह रोड पर पानी निकासी का प्रबंध न होने के विरोध में जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने अनोखे ढंग से टूटे हुए रोड पर कफन डालकर फूल चढ़ाते हुए किया। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने कहा कि टूटे हुए रोड के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही है। रोड बनते ही टूटने शुरू हो गए हैं। घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक बारिश आते ही रोड टूट गए सफाई के नाम पर कई करोड़ रुपए का बजट जारी किया गया था। अब बारिश के कारण रोड पर पानी भरा हुआ है। पानी निकासी का कोई प्रबंध नहीं है। आम जनता को लगातार तकलीफ हो रही है। प्रशासन आंख बूंद कर नींद सो रहा है। लगातार घोटाले हो रहे हैं अधिकारियों पर कार्रवाई करने की बजाय और वर्क पैच के नाम पर बड़ा घोटाला हो रहा है। इस अवसर पर प्रदीप संदीप कुलदीप राजवीर महेश जोगिंदर सुमित्रा कविता राजू सुरेश कबीर राजेश जोगिंदर कुलदीप सुमित संजीत महेंद्र जोगिंदर राजवीर महिपाल आदि उपस्थित रहे।

युवक को अगवा करने की घटना में आरोपी गिरफ्तार

गोहाना। थाना सदर गोहाना की पुलिस ने युवक को अगवा करके रुपये मांगने की घटना मे संलिप्त आरोपित गांव खानपुर कलां के मंदीप को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। गांव कासंडा के आकाश ने 8 जुलाई को पुलिस को शिकायत दी थी कि वह और उसका भाई विकास खेत से बाइक पर घर आ रहे थे। जब वे गांव के नजदीक पहुंचे तो दो गाडियों और बाइक पर कई व्यक्ति पहुंचे थे। आरोपित उसके भाई को गाड़ी में डालकर ले गए थे। उसे कहा गया था कि अगर भाई को छुड़वाना है और बचाना हे तो रुपये भेज देना। आकाश की शिकायत पर सदर थाना में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने अब आरोपित मंदीप को गिरफ्तार किया। इससे पहले आरोपित गांव खानपुर कलां के दीपक, बिरजु, अजय और गांव भैंसवाल के संदीप को गिरफ्तार किया गया था।

सास से झगड़े में युवती ने खुद को लगाई आग, हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर के बहालगढ़ रोड स्थित जनता कॉलोनी में सास-बहु के झगड़े में बहु ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़कर आग लगा दी। आग में महिला गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पीजीआई में उसका उपचार चल रहा है। जनता कॉलोनी निवासी सोनू ने बताया कि सुबह उसकी पत्नी व मां के बीच में आपस में कहासुनी चल रही थी। बच्चे घर पर टीवी देख रहे थे। उसकी पत्नी ज्योति रसोई में कुछ काम कर रही थी। अचानक चिल्लाते हुए रसोई से बाहर आई। आग के लपटों में पूरी तरह से जल रही थी। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। उसकी पत्नी गंभीर रूप से आग में झुलस गई। उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल सोनीपत में लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। जानकारी मिली है कि इस संबंध में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है।

सोनीपत। झुलसी महिला को उपचार के बाद रोहतक लेकर जाते हुए परिजन।

गन्नौर। क्लब के नवनियुक्त प्रधान मनीष बंसल, सचिव श्रेय त्यागी , कोषाध्यक्ष अनिल जैन का स्वागत करते हुए।

रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर के प्रधान बने मनीष बंसल, श्रेय त्यागी बने सचिव

गन्नौर। कनक गार्डन में रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर की नवनियुक्त कार्यकारिणी का पद ग्रहण समारोह हुआ। जिसमें क्लब के नवनियुक्त प्रधान मनीष बंसल, सचिव श्रेय त्यागी , कोषाध्यक्ष अनिल जैन का क्लब के सभी सदस्यों ने स्वागत किया । शपथ ग्रहण समारोह में डॉक्टर मनोज बाटला व संदीप आहूजा असिस्टेंट गवर्नर ने पद ग्रहण की शपथ दिलवाई । कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉक्टर जे एस धनखड़, अतुल जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। नवनियुक्त प्रधान मनीष बंसल ने आने वाले वर्ष में अनेक समाज के लिए कार्य करने के लिए विस्तार से बताया। क्लब को विश्वास दिलाया कि वह पूर्ण जिम्मेदारी के साथ अपने पद की गरिमा को बनाए रखेंगे। इस मौके पर अमित बत्रा,राकेश सिंधवानी, संजीव गुप्ता, पवन जैन ,नवीन खन्ना , योगेश कौशिक, प्रमोद त्यागी, अनिल त्यागी, अशोक वर्मा, डॉ वी पी राठी, डॉक्टर किशन कंवर, महावीर पालीवाल, संदीप , गुरदीप, राकेश व समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे ।

एटीएम कार्ड बदलकर लगाई 25,000 की चपत

खरखौदा। पाई गांव के एक युवक को एटीएम पर आकर अपनी पत्नी के एटीएम कार्ड से पैसे निकालने के दौरान हुई हेराफेरी के बाद 25 हजार रुपये की चपत लग गई। दो युवकों ने इस वारदात के अंजाम दिया, बातों में उलझाकर एटीएम का पिन पूछने के बाद युवक कार्ड बदलने में भी सफल हो गए और फिर 25 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित कृष्ण की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। कृष्ण का कहना है कि उसकी पत्नी का पंजाब नेशनल बैंक में खाता है। जिसके एटीएम कार्ड से वह पैसे निकालने के लिए एटीएम पर गया था। जहां पर जब वह पैसे निकाल रहा था, उसी दौरान दो युवक जिसमें से एक ने हेलमेट पहना हुआ था और दूसरे ने चेहरे पर कपड़ा लपेटा हुआ था। जिन्होंने उसे बातों में उलझाकर न केवल उसके कार्ड का पिन जान लिया, बल्कि उसका एटीएम कार्ड बदल लिया।

समाधान राष्ट्रीय लोक अदालत में 127 में से 71 मामलों का किया निपटारा

लोक अदालत न्याय प्रक्रिया को सरल बनाने करती है काम : एसडीजेएम

इस दौरान कुल 69,000 रुपये की समझौता राशि तय की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

राष्ट्रीय लोक अदालतें विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम के अंतर्गत न्यायपालिका द्वारा लंबित और प्री-लिटिगेशन मामलों के निपटारे हेतु लोक अदालत आयोजित की गई। लोक अदालत में एसडीजेएम मानसी गौर की अदालत में महत्वपूर्ण प्रगति देखने को मिली। अदालत में कुल 127 मामलों को सुना गया, जिनमें से 71 मामलों का निपटारा सौहार्दपूर्ण ढंग से किया गया। इन मामलों के निपटारे के साथ कुल 69,000 रुपए की समझौता राशि भी तय की गई।

गन्नौर। लोक अदालत में एसडीजेएम मानसी गौर मामलों की सुनवाई करने के बाद निपटान करते हुए । फोटो : हरिभूमि

लोक अदालत में प्राप्त शिकायतें

लोक अदालत का उद्देश्य जनता को त्वरित, सुलभ और सस्ता न्याय प्रदान करना था । एसडीजेएम मानसी गौर की अध्यक्षता में लगी लोक अदालत में निम्नलिखित मामलों का निपटारा किया गया। क्रिमिनल कंपाउंडेबल केस के तहत 8 मामलों को उठाया गया, जिनमें से 4 मामलों का निपटारा सफलतापूर्वक किया गया। इन मामलों में 20 हजार की राशि का समझौता हुआ। बैंक ऋण वसूली में भी लोक अदालत की सकारात्मक भूमिका रही हैं। एनआई एक्ट की धारा 138 (चेक बाउंस मामलों में कुल 6 मामलों को सुना गया, जिनमें से 4 मामलों का समाधान हुआ। लोक अदालत की मध्यस्थता से दोनों पक्षों को राहत मिलती है और लंबी कानूनी प्रक्रिया से बचा जा सका। अन्य सिविल मामले 51 मामलों को उठाया गया, जिनमें से 49 मामलों का निपटारा सफलतापूर्वक हुआ। लोक अदालत की सबसे बड़ी उपलब्धि रही कि न्यायिक प्रक्रिया में सरलता और राहत प्रदान की गई। रेवेन्यू मामलों की श्रेणी में 58 मामलों को उठाया गया, जिनमें से 12 मामलों का समाधान किया गया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक , रविवार 13 जुलाई 2025

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

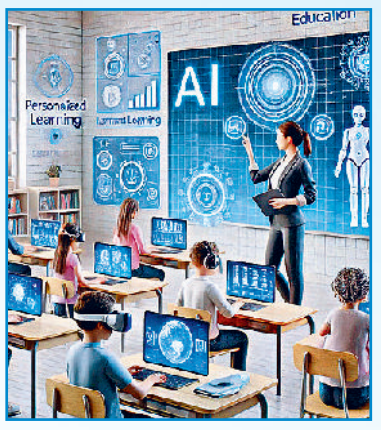

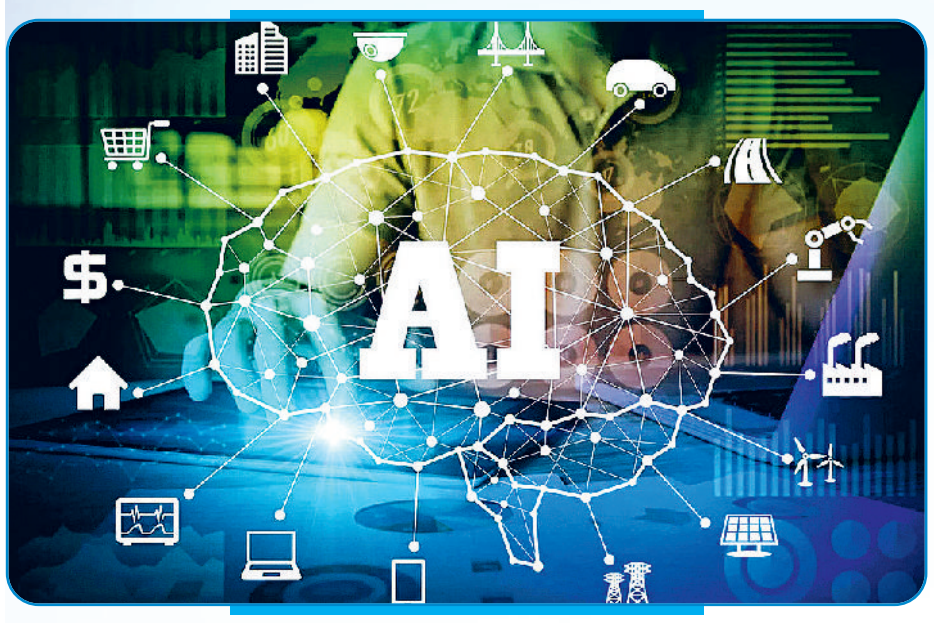

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

{ फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह }

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग खिचकियाते बहुत हैं
ठाठकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

{ लघुकथा / गीता सिंह }

बांझिन का घर

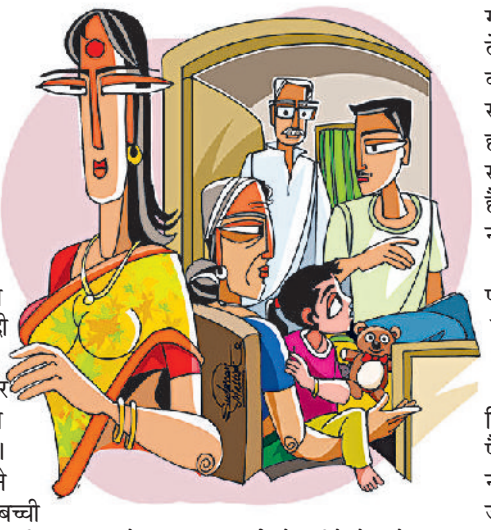

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

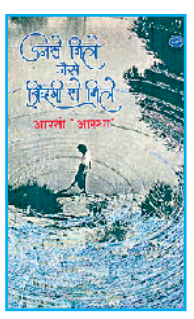

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

तीर्थयात्रा
डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

हर वर्ष सावन माह में बाबा अमरनाथ धाम में प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश भर से हजारों-लाखों श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा करते हैं। अत्यंत दुर्गम होने के बावजूद धार्मिक आस्था और पुण्य अर्जित करने की कामना से भक्तगण इस यात्रा में भरपूर उत्साह से सम्मिलित होते हैं। इस यात्रा की विशिष्टता और महत्ता के बारे में जानिए।

आध्यात्मिक आनंद-अक्षय पुण्य प्रदान करती है अमरनाथ यात्रा

भारत वर्ष तीर्थों की पवित्र भूमि है। इस धरा पर ऐसा कोई प्रांत नहीं, जहां तीर्थस्थल न हों। ये तीर्थस्थल दीर्घकाल से आस्था एवं विश्वास के प्रमुख केंद्र रहे हैं। सनातन धर्मावलंबियों के लिए कश्मीर प्रांत में स्थित अमरनाथ नामक तीर्थस्थल का विशेष महत्व है। कल्हण की 'राजतरंगिणी' में इस तीर्थ को 'अमरेश्वर' कहा गया है। अमरनाथ हिंदी के दो शब्द 'अमर' अर्थात 'अनश्वर' और 'नाथ' अर्थात 'भगवान' को जोड़कर बनता है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों- सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ॐकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, वैद्यनाथ, त्रयंबकेश्वर, रामेश्वरम, नागेश्वर और घृष्णेश्वर के अतिरिक्त अमरनाथ का भी विशेष महत्व है। शिव के प्रमुख स्थलों में अमरनाथ अन्यतम है। इसीलिए अमरनाथ को तीर्थों का तीर्थ कहा जाता है। मृत्यु को जीतने वाले मृत्युंजय शिव अमर हैं, इसीलिए अमरेश्वर भी कहलाते हैं। श्रद्धालु अमरेश्वर को ही बाबा अमरनाथ और बर्फानी-बाबा भी कहते हैं। अमरनाथ तीर्थस्थल जम्मू-कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर के उत्तर-पूर्व में 141 किलोमीटर दूर समुद्र तल से 3,888 मीटर (12756 फुट) की ऊंचाई पर स्थित है। इस गुफा की लंबाई (भीतर की ओर गहराई) 19 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर है। 40 मीटर ऊंची अमरनाथ गुफा में पानी की बूंदों के जम जाने की वजह से ठोस बर्फ का एक अप्रतिम-दैवीय शिवलिंग निर्मित होता है।

पौराणिक मान्यता: एक पौराणिक गाथा के अनुसार भगवान शिव ने पार्वती को अमरत्व का रहस्य (जीवन और मृत्यु के रहस्य) बताने के लिए इसी गुफा को चुना था। कथा के अनुसार जब देवी पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व के रहस्य को प्रकट करने के लिए कहा, तब यह रहस्य बताने के लिए भगवान शिव, पार्वती को हिमालय की इस गुफा में ले गए, ताकि उनका यह रहस्य कोई भी न सुन पाए और यहीं पर भगवान शिव ने देवी पार्वती को अमरत्व का रहस्य बताया था।

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता: इतिहासकारों का मानना है कि अमरनाथ यात्रा, हजारों वर्षों से चली आ रही है। अमरनाथ-दर्शन का महत्त्व पुराणों में भी मिलता है। बृंगेश संहिता, नीलमत पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी आदि में इस तीर्थ का उल्लेख मिलता है। नीलमत पुराण में अमरेश्वर के बारे में दिए गए उल्लेख से पता चलता है कि इस तीर्थ के बारे में छठी-सातवीं शताब्दी में भी लोगों को जानकारी थी। स्वामी विवेकानंद ने 1898 में जब अमरनाथ गुफा की यात्रा की तो भावविभोर होकर कहा था, 'मुझे सचमुच लगा कि स्वयं शिव के दर्शन हो गए हैं। मैंने ऐसी सुंदर प्रतिमा कभी नहीं देखी और न ही किसी धार्मिक-स्थल की यात्रा का इतना आनंद आया।'

यात्रा के हैं दो मार्ग: अमरनाथ की गुफा तक पहुंचने के लिए सामान्यतः दो मार्ग हैं। प्रथम पहलगाम मार्ग और दूसरा सोनमर्ग-बालतल मार्ग। पहलगाम मार्ग अपेक्षाकृत सुविधाजनक है, जबकि बालतल मार्ग हालांकि अमरनाथ की गुफा से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन यह मार्ग अत्यंत दुर्गम है। सामान्यतः यात्री पहलगाम मार्ग से ही अमरनाथ यात्रा करते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की दूरी 45 किलोमीटर है। इस यात्रा मार्ग में चंदनबाड़ी, शेषनाग तथा पंचतरणी तीन प्रमुख रात्रि पड़ाव हैं। प्रथम पड़ाव चंदनबाड़ी है, जो पहलगाम से 12.8 किलोमीटर की दूरी पर है। तीर्थयात्री पहली रात यहीं पर बिताते हैं। दूसरे दिन पिस्सू घाटी की चढ़ाई प्रारंभ होती है। चंदनबाड़ी से 13 किलोमीटर दूर शेषनाग में अगला पड़ाव होता है। यह चढ़ाई अत्यंत दुर्गम है। यहीं पर पिस्सू घाटी के दर्शन होते हैं। पूरी यात्रा में पिस्सू घाटी का मार्ग बहुत कठिन है। पिस्सू घाटी समुद्र तल से 11,120 फुट की ऊंचाई पर है। इसके पश्चात यात्री शेषनाग पहुंचते हैं। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबाई में फैली हुई झील अत्यंत सुंदर है। तीर्थयात्री रात्रि में यहीं विश्राम करते हैं। तीसरे दिन यात्रा पुनः आरंभ होती है। इस यात्रा मार्ग में महागुणास दर्रे को पार करना पड़ता है। महागुणास से पंचतरणी का पूरा रास्ता ढलान-युक्त है। छोटी-छोटी पांच नदियों के बहने के कारण यह स्थान पंचतरणी नाम से प्रसिद्ध हुआ है। पंचतरणी से अमरनाथ की पवित्र गुफा 6 किलोमीटर की दूरी पर है। गुफा के समीप पहुंच कर पड़ाव डाल दिया जाता है तथा प्रातःकाल पूजन इत्यादि के पश्चात शिव के हिमलिंग के दर्शनोपरांत भक्तजन पुण्य लाभ के भागीदार बनते हैं।

प्राप्त होता है पुण्य लाभ: प्रतिवर्ष संपन्न होने वाली इस पुण्यदायिनी यात्रा से अनेक पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि अमरनाथ दर्शन और पूजन से महापुण्य प्राप्त होता है। शास्त्रों में इंद्रिय निग्रह पर विशेष बल दिया गया है, जिससे मुक्ति की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि अमरनाथ यात्रा 'निग्रह' के बिना ही मुक्ति प्रदान करने वाली है, क्योंकि यात्राक्रम में आने वाली कठिनाइयों और गंतव्य-स्थल पर पहुंच कर होने वाले अनेकविध अनुभवों के कारण तीर्थयात्री को विविध प्रकार के सांसारिक कष्टों का बोध होता है। साथ ही शिव के हिमलिंग रूप के दर्शन से उसका हृदय इतना संयमित हो जाता है कि इंद्रिय-निग्रह किए बिना ही उसे मुक्ति प्राप्त होती है। भोलेनाथ भक्तों के समस्त भव रोगों और दुःखों का समूल नाश करते हैं।

श्रद्धा-सौहार्द भरी यात्रा: श्रावण मास में पवित्र हिमलिंग के दर्शनार्थ लाखों लोग भिन्न-भिन्न प्रदेशों से यहां आते हैं। अमरनाथ यात्रा से संबंधित एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक तथ्य यह है कि यह यात्रा पारस्परिक सद्भाव के प्रचार-प्रसार का कार्य भी करती है। विभिन्न प्रांतों से शिव के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में परस्पर समभाव की भावना विकसित होती है। विभिन्न भाषा-भाषी लोगों में परस्पर वार्तालाप होता है, भाईचारे की भावना का विकास होता है और विभिन्न प्रांतों की भौगोलिक जानकारी का आदान-प्रदान होता है। अतः अमरनाथ तीर्थयात्रा को तीर्थाटन के अतिरिक्त श्रद्धा, ज्ञान एवं सौहार्द के समुच्चय के रूप में भी जाना जाता है। *

अगर आप चाहते हैं कि लोग आपकी पर्सनालिटी से इंप्रेस हो, हर कोई आपसे जुड़ना चाहे, आपकी हेल्प करने को तैयार रहे, तो इसके लिए आपको खुद में कुछ क्वालिटीज को डेवलप करना होगा। इस बारे में जानिए।

पर्सनालिटी बनेगी मैग्नेटिक
डेवलप करें ये क्वालिटीज

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

मनीष का सोशल सर्कल देखकर उसके कुछ रिश्तेदारों को बड़ी हैरानी हुई। उसकी बेटी की शादी थी तो उसकी पूरी सोसाइटी और ऑफिस के लोग उसकी मदद के लिए ऐसे तत्पर थे, मानो वह कोई बहुत बड़ी हस्ती हो। किसी को कहने भर की देर थी काम चुटकियों में हो रहा था। कुछ रिश्तेदारों को उसके इस रुतबे से बेहद खुशी हुई, तो कुछ को ईर्ष्या भी महसूस हुई। उसके चचेरे भाई ने जरूर उसकी पीठ ठोकते हुए कहा, 'भाई तूने अपनी अच्छी रेपुटेशन बना रखी है। बिल्कुल चुंबक है, चुंबक।' ऐसी चुंबकीय पर्सनालिटी का स्वामी बनना बहुत कठिन बात नहीं है। इसके लिए आपको बस कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दूसरों को स्पेशल फील कराएं: हर व्यक्ति स्वयं को महत्वपूर्ण मानता है और चाहता है कि दूसरे भी उसे मान सम्मान दें। यह स्वभाव सामान्य से लेकर अति विशिष्ट तक हर व्यक्ति का होता है। सब चाहते हैं कि उसकी सराहना की जाए और वह ऐसे ही व्यक्ति को पसंद करते हैं, जो उन्हें ऐसा महत्व देता है। इसलिए मानव व्यवहार की इस मूलभूत इच्छा को समझें और लोगों के साथ ऐसा ही आचरण करें। जाहिर है, वे भी आपके साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगे।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं: हमारे जीवन में सामाजिक संबंधों का होना बेहद जरूरी है। ये प्रोफेशनल ही नहीं, पर्सनल लाइफ में भी बहुत सपोर्ट करते हैं। लोगों से मेल-जोल बढ़ाएं। उनके साथ मित्रतापूर्ण व्यवहार करें। महत्वपूर्ण अवसरों पर उन्हें निमंत्रण और उपहार दें। किसी के निमंत्रण पर वहां जरूर जाएं। अगर कोई मुसीबत में है और उसे आपकी जरूरत है तो उसकी यथासंभव मदद करें। आपका मृदु व्यवहार और मिलनसार स्वभाव न सिर्फ आपका सामाजिक दायरा बढ़ाता है, यह आपको उन ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर सकता है, जिनकी आप कामना करते हैं।

आभार और बधाई देना सीखें: सहयोग या मदद के बदले आभार प्रकट करने वाले और किसी की उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं देने में आगे रहने वाले लोगों को हर कोई पसंद करता है। लेकिन ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते। आप अगर इन दोनों गुणों को अपना लेते हैं तो लोग आपको जरूर पसंद करेंगे, आपको इंपॉर्टेंस देंगे।

उम्मीदें ना करें: लोगों से उम्मीदें रखने से अकसर निराशा हाथ लगती है। जब आपकी उम्मीदें पूरी नहीं होतीं, तो आप उनके प्रति बुरा सोचने लगते हैं। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक ही है। फिर दूसरे भी आपसे दूर रहने लगते हैं। जीवन में व्यावहारिक बनें और सरल सोचें। अगर आपने किसी की मदद की है, तो वह आपका स्वभाव है और आपको सुविधा थी तो आपने वैसा किया। इस भाव से मदद करने और संपर्क रखने पर जादुई असर होता है। लोगों के एक बड़े समूह के बीच आप लोकप्रिय होने लगते हैं।

शब्दों का चयन सावधानी से करें: आप लोगों से अपनी बातचीत के माध्यम से जुड़ते हैं। उन्हें प्रभावित भी संवाद से ही किया जा सकता है। आप बोलते वक्त कैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, आपकी टोन कैसी है, बॉडी लैंग्वेज कैसी है आदि बातें बहुत मायने रखती हैं। दूसरों की बात गौर से सुनें, आई कॉन्टेक्ट रखें। कोई अपनी बात कह रहा है तो बीच में अपनी गाथा ना सुनाएं। अनचाही सलाह देने से बचें और तेज आवाज में बात न करें। कम्युनिकेशन स्किल जीवन के सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है, चाहे वह रिश्ते बनाना हो या कारोबार बढ़ाना हो। बेहतर कम्युनिकेशन स्किल से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होने लगेगा। लोग आपसे जुड़ते चले जाएंगे। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

अच्छी सेहत के साथ अच्छी आमदनी भी कराए अनार

पौष्टिकता और औषधीय गुणों से भरपूर अनार का वैज्ञानिक नाम 'पुनिका ग्रैनटम' है। यह 'लिथरेसी' परिवार का पेड़ है। हाल के सालों में अनार एक महत्वपूर्ण नकदी फसल के रूप में उभर कर सामने आया है। अनार मध्यम आकार का झाड़ीनुमा वृक्ष होता है, जो आमतौर पर 6 से 8 फुट ऊंचा होता है, लेकिन व्यवस्थित तरीके से देखरेख करने पर इसके पेड़ 10 से 15 फीट तक भी ऊंचे हो सकते हैं। इसका फल गोलाकार, कठोर परत वाला होता है। इस कठोर परत के नीचे लाल रंग के रसदार दाने भरे होते हैं।

सदियों पुराना पेड़: अनार मूलतः ईरान और उत्तरी भारत का देशज पेड़ माना जाता है। भारत में अनार का पेड़ प्राचीनकाल से मौजूद रहा है। हमारे प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी अनार के औषधीय गुणों का उल्लेख मिलता है। प्राचीनकाल में अनार राजा-महाराजाओं के लिए ही उपलब्ध था, यह उनके भोजन और फलाहार का हिस्सा हुआ करता था।

अनार की विभिन्न किस्में: भारत में अनार की पाई जाने वाली सबसे लोकप्रिय किस्म 'भगवा' है। इस किस्म के फल बड़े और दाने चमकदार लाल रंग के होते हैं। निर्यात के लिए यह उपयुक्त किस्म मानी जाती है। भगवा के अलावा कंधारी, गणेश, अर्का मृदुला, अर्का रक्षक, ज्योति, रूबी नाम की किस्में पाई जाती हैं। हर किस्म की कुछ न कुछ खासियत होती है।

भारत में खेती: पहले अनार का पेड़ आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों और दक्कन के पठार में ही पाया जाता था। मगर आजकल देश के ज्यादातर हिस्सों में इसकी अलग-अलग किस्में उगाई जाती हैं। भारत में व्यावसायिक दृष्टि से अनार का सर्वाधिक उत्पादन महाराष्ट्र में होता है। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब के कई क्षेत्रों में भी अनार की खेती की जाती है। अनार की खेती के लिए उपयुक्त दशाओं की बात करें तो इसके लिए लिए कम वर्षा, हल्की दोमट मिट्टी और 5.5 से 7.5 पीएच की भूमि सबसे उपयुक्त होती है।

किसानों के लिए फायदेमंद: एक एकड़ जमीन में करीब 400 से 500 अनार के पेड़ लग जाते हैं और हर पेड़ से कम से कम 10 से 12 किलो अनार का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ 4000 से 6000 किलोग्राम तक अनार का उत्पादन हो सकता है। इसमें 60 हजार से 1 लाख रुपए के बीच लागत आती है। अगर इसका बाजार भाव 80 रुपए भी मिल जाए तो किसान को हर साल 3 से 4 लाख रुपए की आमदनी हो सकती है। *

टेक्नो-बिहेवियर
मेघा राठी

लगभग सभी सोशल मीडिया यूजर्स इमोजी का यूज करते ही हैं। लेकिन इसका यूज करते समय कुछ एटिकेट्स का ध्यान रखना जरूरी है। इमोजी डे (17 जुलाई) के अवसर पर जानिए इनके बारे में।

जब यूज करें इमोजी ना भूलें एटिकेट्स

इन दिनों सोशल मीडिया पर चैटिंग करने के दौरान या मैसेज भेजते समय इमोजी का यूज करना एक ट्रेंड बन गया है। लेकिन इमोजी भेजते समय लापरवाही बरतना आपकी इमेज बिगाड़ सकता है, आपको नॉनसिरीयस साबित कर सकता है। इसलिए जरूरी है कि शब्दों की तरह ही इमोजी का भी यूज सोच-समझकर करें।

डिजिटल युग में कम्युनिकेशन: वर्तमान डिजिटल युग में संवाद का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया पर लेख, पोस्ट, सूचनाएं या अनुभव कुछ भी पढ़कर शीघ्रता से प्रतिक्रिया के रूप में 'लाइक', 'डिसलाइक' या किसी अन्य प्रतीक के रूप में इमोजी भेज दिया जाता है। इनमें सबसे अधिक प्रयोग होने वाला चिन्ह है- दिल। यह प्रतीक जो मूलतः प्रेम, आत्मीयता या गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है लेकिन अब रिएक्शन का सबसे सरल प्रतीक बन गया है। चाहे विषय गंभीर हो, आध्यात्मिक हो, संघर्षपूर्ण जीवन अनुभव हो या सामाजिक समस्या-सब पर एक समान प्रतिक्रिया के रूप में यह चिन्ह लगा दिया जाता है।

प्रतीकों का भी होता है संदर्भ: वास्तव में, 'दिल' तब उपयुक्त प्रतीक होता है, जब विषय आत्मीय हो- जैसे मित्रता, स्नेह, समर्थन या व्यक्तिगत अनुभवों में सहानुभूति। लेकिन जब विषय दार्शनिक, वैचारिक या तर्कसंगत हो या जब वह शोक, पीड़ा या सामाजिक असमानता से जुड़ा हो, तब ऐसे प्रतीकों से प्रतिक्रिया देना विषय की गंभीरता को हल्का बना देता है। यह न केवल लेखक के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि भेजने वाले की समझ पर भी प्रश्न उठाता है।

हर जगह इमोजी भेजना उचित नहीं: इमोजी भेजने की प्रवृत्ति सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रही, अब लोग आधिकारिक ईमेल, विभागीय संदेश या वरिष्ठों को भेजे जाने वाले संवादों में भी इमोजी का प्रयोग करने लगे हैं। यह न केवल संवाद की गंभीरता को कम करता है, बल्कि कई बार यह आपकी अनुशासनहीनता या असंवेदनशीलता का संकेत भी माना जा सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए। इमोजी का प्रयोग मित्रता, निजी वार्तालाप में उपयुक्त है, लेकिन इसकी सीमाएं स्पष्ट होनी चाहिए। डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ विवेक भी आवश्यक है।

डिजिटल एटिकेट का रखें ध्यान: किसी भी इमोजी को सेलेक्ट करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखें।

- सोच-समझकर इमोजी का चयन करें।
- कार्यालय या वरिष्ठों के साथ संवाद में औपचारिक भाषा अपनाएं।
- गंभीर विषयों पर केवल इमोजी के बजाय मौलिक प्रतिक्रिया दें।
- यदि इमोजी भेजना हो तो विषय के अनुकूल ही सेलेक्ट करें। प्रतीकों का प्रयोग प्रासंगिकता के साथ होना चाहिए, न कि केवल आदत या सुविधा के कारण। *

कुछ कॉमन इमोजी

- ❤️ स्नेह, मित्रता, सहानुभूति, प्रेरणा।
- 😂 हंसी मजाक, मीम, हल्के-फुल्के निजी संवाद।
- 😢 संवेदना, शोक व्यक्त करने के लिए।
- 🙏 धन्यवाद, सम्मान, श्रद्धांजलि, प्रार्थना।
- 🔥 प्रेरक कार्य, जोश, उपलब्धि की सराहना।
- 👏 किसी की उपलब्धि, प्रेरक विचार का समर्थन।
- 😍 रोमांटिक या सौंदर्य-प्रशंसा से जुड़े।
- 🤔 तर्क, प्रश्न, विचार-उत्तेजक विषय।

सिने-जगत / अशोक जोशी

हम जो पर्दे पर देखते हैं, वो सितारों की रील लाइफ होती है। जो जिंदगी वह वास्तव में जीते हैं, वह उनकी रियल लाइफ होती है। पर्दे पर हमें जीवंत, सुखी, स्वस्थ और ढाई घंटे में बरसों लंबी जिंदगी के दर्शन करा देने वाले कुछ सितारे ऐसे भी हैं, जिनकी जिंदगी किसी शॉर्ट फिल्म जितनी ही छोटी रही।

कम उम्र में गुजरे बीते दौर के सितारे: पिछली सदी में पचास का दशक हिंदी फिल्मों का आरंभिक दौर था। उस दौर में अभिनेता श्याम एक जाने माने सितारे थे, जिनकी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान घोड़े से गिरने से मौत हो गई थी। जिस समय यह हादसा हुआ, उनकी उम्र केवल 31 बरस ही थी। के.एल. सहगल हिंदी फिल्म के मशहूर गायक और अभिनेता थे। लेकिन शराब की लत के कारण उन्हें लीवर सिरोसिस हो गया था। मात्र साढ़े बयालिस साल की उम्र में सहगल इस दुनिया से विदा हो गए।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को 'प्यासा', 'कागज के फूल', 'साहेब बीवी और गुलाम' जैसी क्लासिक फिल्में देने वाले गुरुदत्त महज 39 वर्ष की उम्र में दुनिया छोड़ गए थे। गुरुदत्त को इन्सोम्निया (स्लीप डिसऑर्डर) की बीमारी थी। कहा जाता है कि शराब के अत्यधिक सेवन और नींद की गोली के ओवरडोज के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

हाल में गुजर गए युवा सितारे: बीते कुछ दशकों की बात करें तो फिल्म और टेलीविजन के कई प्रसिद्ध कलाकार बेहद कम उम्र में ही जिंदगी की जंग हार गए। सुशांत सिंह राजपूत ने सिर्फ 34 साल की उम्र में कथित आत्महत्या कर ली। हालांकि सुशांत की मौत की वजहों को लेकर आज भी कई तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। बिग बॉस 13 के विनर और टीवी के मशहूर अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की हार्ट अटैक के कारण हुई अचानक मृत्यु ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। सिद्धार्थ सिर्फ 40 साल की उम्र में इस दुनिया से रुखसत हो गए। अभिनेता इंदर कुमार महज 44 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चले गए। उनके निधन की भी वजह हार्ट अटैक को ही माना गया था। हालांकि अपने निधन से कुछ साल पहले इंदर कुमार एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हेलिकॉप्टर से जमीन पर गिर गए थे और तभी से उनको कई परेशानियां शुरू हो गई थीं।

कई अभिनेत्रियां भी गुजर गईं कम उम्र में: हिंदी सिनेमा की वीनस कही जाने वाली मोहक व्यक्तित्व की मलिका मधुबाला की मुस्कान आज भी दर्शकों के मस्तिष्क पर छाई हुई है। फिल्मी करियर के साथ ही उनका जीवन भी छोटा ही रहा। उन्होंने 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनकी मृत्यु का कारण दिल की बीमारी बताया जाता है। इसी तरह ट्रेजडी क्वीन मीना कुमारी की रियल लाइफ भी किसी ट्रेजडी से कम नहीं थी। पारिवारिक विवाद और दुःख से परेशान मीना कुमारी ने शराब से नाता जोड़ लिया था। अपने गम में डूबी मीना कुमारी 38 वर्ष की उम्र में इस दुनिया से कूच कर गईं। अपने जमाने की सफलतम नायिकाओं में से एक गीताबाली भी चेचक की बीमारी के कारण मात्र 34 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। प्रतिभाशाली अभिनेत्री स्मिता पाटिल जब सिनेमा में आईं तो लगा था कि मीना कुमारी की खाली जगह भर जाएगी। अपने छोटे से फिल्मी जीवन में स्मिता पाटिल ने न केवल समानांतर फिल्मों में अपनी जगह बनाई बल्कि अमिताभ बच्चन के साथ 'नमक हलाल' जैसी सुपरहिट कॉमर्शियल फिल्म की सफलता में बराबर का योगदान दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश डिलीवरी के दौरान पीलिया से पीड़ित होकर वह मात्र 29 साल की उम्र में स्वर्ग सिधार गईं। बाद के दौर की बात करें तो उभरती नायिका दिव्या भारती को भी बेहद कम उम्र में मौत ने अपनी आगोश में ले लिया था। सफलता के सिंहासन पर बैठी यह नायिका मात्र 19 साल की उम्र में एक हादसे का शिकार हो चल बसीं।

स्मिता पाटिल

प्रत्युषा बनर्जी

हाल में दिवंगत हुईं एक्ट्रेसेस: बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस जिया खान भी 25 की उम्र में दुनिया को छोड़ गईं। जिया ने खुदकुशी कर ली थी। धारावाहिक 'बालिका वधु' से अपनी पहचान बनाने वालीं प्रत्युषा बनर्जी ने भी जिंदगी से हार मान कर मौत को गले लगा लिया। प्रत्युषा ने महज 24 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली थी। ऐसे ही कई सफल एवं उभरती हुई अभिनेत्रियों की मृत्यु बेहद कम उम्र में हुई। अगर एकदम हाल की घटना का जिक्र करें, तो 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर मॉडल-एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हाल ही में 42 वर्ष की उम्र में अचानक दुनिया को अलविदा कह गईं। *

हाल में ही एक्ट्रेस-मॉडल शेफाली जरीवाला की अचानक हुई डेथ ने सबको चौंका दिया। लेकिन शेफाली से पहले भी हिंदी सिनेमा और छोटे पर्दे के कई एक्टर-एक्ट्रेसेस बहुत कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह गए हैं। ऐसे ही कुछ कलाकारों पर एक नजर, जो युवावस्था में ही इस जहान से रुखसत हो गए।

सितारे जिन्होंने कम उम्र में ही
दुनिया को कह दिया अलविदा

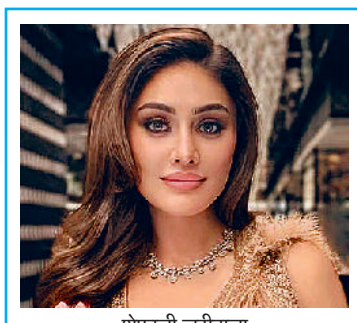

शेफाली जरीवाला

सुशांत सिंह राजपूत

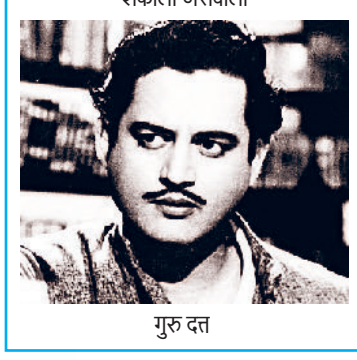

गुरु दत्त

मीना कुमारी